जन पहल

अपनी बात

मित्रों ग्राम्या संस्थान ने वर्ष 2011 में डी0एफ0आई0डी0 एवं भारत सरकार के संयुक्त पहल पर पैक्स परियोजना की शुरुआत वाराणसी जनपद के दो प्रखण्डों सेवापुरी व बड़ागाँव के कुल 70 पंचायतों जिनमें कुल 122 गाँव में वंचित जन समुदायों के आजिविका की मूल सुविधाओं की पहुँच सुनिश्चित करने की दिशा में प्रयत्न कर रहीं है। इस परियोजना की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि लक्षित समुदायों में कैसे नेतृत्व को उभारा जाए और क्षमताएँ बढाई जाए जिससे परियोजना के बाद भी निरन्तरता बनी रहेगी। पैक्स के इन्हीं कार्यक्रमों की कड़ी में यह नियोजित किया गया है कि परियोजना क्षेत्र की परिस्थितियों और बदलावों को लक्षित समुदायों की भागीदारी से निगरानी की जाए और उन्हें एक समाचार पत्र (न्यूज लेटर) के माध्यम से व्यापक फलक पर लाया जाए। तो इन्हीं सपनों के साथ जन पहल के नाम से शुरु किया है। इसका पाचवाँ अंक आपके हाथ में है। हमें लगता है कि सूचनाओं का विस्तार वंचित जनों के अधिकार सुनिश्चियन में मददगार होगा। जन पहल के अगले अंक में हमें आपके सुझावों का इन्तजार रहेगा।

ग्राम्या संस्थान की पहल-

जैसा कि आप लोगों ने पिछले अंक में पढा की गाम्या संस्थान पैक्स परियोजना के अन्तर्गत सेवापुरी व बड़ागाँव ब्लॉक के गाँवों की वास्तविक स्थिति के बारे में जानकारी और जन पहल के माध्यम से औरों को भी बताने का कार्य कर रही है। इसी कड़ी में ग्राम्या संस्थान द्वारा महिला मंच की नेतृत्वकारी 70 महिलाओं का दो दिवसीय कार्यशाला रामडीह में किया गया। यह मंच **गरीब, दलित व मुस्लिम** महिलाओं का संगठन है महिलाओं से महिला मंच की मजबूती को लेकर चर्चा किया गया कि मंच क्यों जरुरी हैं जिस पर महिलाओं ने कहा कि हमारे पास मंच रहेगा तो हम अपनी बात को आसानी से उपर तक उठा सकते हैं तथा उचित स्वास्थ्य सेवाओं को प्राप्त कर सकती है और हमारी एक अलग पहचान होगी।

महिला मंच के 05 मुद्दे–

- मनरेगा।
- स्वास्थ्य।
- पोषण।
- शिक्षा।
- हिंसा।

गाँव स्तरीय मंच के बारे में जानकारी दी गई साथ ही मंच के ढ़ाचा को लेकर चर्चा किया गया कि प्रत्येक गाँव से एक–एक महिला का चुनाव एक–एक मुद्दा पर किया जायेगा और वह नेतृत्वकारी की भूमिका में रहेंगी और उनकी अपनी एक अलग पहचान होगी–

महिला मंच की पहचान-

- बिल्ला
- कमेटी,
- प्रशिक्षण में भागीदारी
- निगरानी
- पैरोकारी

महिला मंच के बढते कदम-

जैसा कि पिछले अंक में आपने पढा होगा की सेवापुरी व बड़ागाँव में विद्यालय प्रबंधन समिति के गठन के दौरान महिला मंच की कुल 193 महिलाएँ जिसमें 05 अध्यक्ष, 46 उपाध्यक्ष व 142 सदस्य का चयन हुआ। इसके अलावा महिला मंच की महिलाएँ कभी स्वास्थ्य तो कभी आंगनवाड़ी, कभी मिड डे मील पर निगरानी तो कभी राशन में हो रही घटतौली पर नजर रखीं और सामूहिक रुप से आवाज उठाई।

आइये जाने महिला मंच की कहानी, महिलाओं की जुबानी-

07–11–2013 खेमापुर गाँव की 17 महिलाओं ने मनरेगा के अंतर्गत 14 दिन के काम के लिए लिखित आवेदन प्रधान के पास दिया जिस पर प्रधान ने कहा की हम काम कहाँ से दें हमारे पास काम नहीं है फिर भी हम इस आवेदन को लेकर रख ले रहे हैं और इस संदर्भ में हम बी0डी0ओ0 से बात करेंगे और वो जैसा कहेंगे हम वैसा ही करेंगे जिस पर महिलाओं ने कहा की हम नहीं जानते की आपके पंचायत में काम है कि नहीं है आप हमारे प्रधान हैं इस गॉव के जन प्रतिनिधि होने के नाते आपको हम लोगों को काम देना होगा काम नहीं देंगे

तो बेरोजगारी भत्ता के लिए हम लोग आगे माँग करेंगे। दो दिन बाद प्रधान ने 09–11–2013 से 16–11–2013 तक सभी 17 महिलाओं को 8 दिन का काम दिया।

09–10–2013 को नहवानीपुर गाँव की महिला मंच की लीडर महिला मंजू ने कोटे से राशन लेने के लिए नट बस्ती की 10 महिलाओं को एकत्रित किया और महिलाओं से बोली की अगर कोटेदार हमें राशन कम देगा तो हम राशन लिए बिना ही लौट आएँगे जिस पर सभी महिलाओं ने हामी भरी और राशन लेने कोटे पर गईं। कोटे पर पहुँचने के बाद मंजू ने अपना राशन कार्ड देते हुए राशन की माँग की जिसपर कोटेदार ने मंजू को राशन तौल कर दिया। इस पर मंजू के साथ गईं बाकी महिलाओं ने कहा की इस बार हम लोग राशन आपके बटखरे से तौलकर नहीं लेंगे बल्कि हमारे बटखरे से तौलकर दीजिए। पहले तो कोटेदार ने ऐसा करने से मना कर दिया लेकिन महिलाओं के दबाव में आकर उसने जब राशन दोबारा तौला तो उसमें राशन दो किलो कम पाया गया। इसके बाद महिलाओं ने कोटेदार से इसका कारण पूछा और मानक के हिसाब से राशन की माँग की जिस पर कोटेदार उनसे बहस करने लगा। यह देखते हुए सभी महिलाएँ बिना राशन लिए ही वहाँ से लौटने लगीं तो कोटेदार ने कुछ सोचते हुए उन्हें दोबारा बुलाया और मानक के अनुसार 35 किलो राशन सभी महिलाओं को दिया।

29–09–2013 को ग्राम सभा सुइलरा के महिला मंच की सदस्य मुन्नी देवी के बहू आरती को दोपहर में प्रसव पीड़ा उत्पन्न हुई। जिसपर मुन्नी के पति दुधनाथ ने 108 नम्बर पर फोन करके एम्बुलेंस को बुलाया। फोन करने के आधे घण्टे के बाद एम्बुलेंस आई और उसमें आरती के साथ मुन्नी देवी व गाँव की आशा बैठकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँचीं। अस्पताल पहुँचने पर ए0एन0एम0 द्वारा आरती को सुई लगाया गया और इसके कुछ देर बाद आरती को लड़का हुआ। बच्चा होने के बाद दाई द्वारा साफ सफाई के बाद नेग की

महिला मंच बैठक

माँग की गई तो मुन्नी देवी बिना पैसा दिये बच्चे को लेकर घर चली आई। अगले दिन आशा चेक का फॉर्म भरवाने के लिए जब ए0एन0एम के पास गई तब ए0एन0एम0 ने आशा से पैसे की माँग की। इस पर आशा अस्पताल से लौट आई और मुन्नी देवी से सारी बात बता दी। आशा द्वारा बताई गई बात सुनने के बाद मुन्नी देवी ए0एन0एम0 के पास गई और पूछा की दीदी आप कैसा पैसा माँग रहीं हैं जिसपर ए0एन0एम0 ने बताया की आपके घर लड़का हुआ है तो हम इस खुशी में अपना नेग माँग रहे हैं। इस पर मुन्नी देवी ने कहा कि सरकारी अस्पताल में सारी सुविधा मुफत में होती हैं इस लिए हम कोई पैसा नहीं देंगे। इसके बाद दोनो में कहा सुनी हुई और अंत में ए0एन0एम0 को बिना कुछ दिए मुन्नी देवी ने 1400 रुपये का चेक प्राप्त किया।

26–9–2013 को करधना के प्राथमिक विद्यालय में बच्चों को मध्याह्न भोजन में रोटी सब्जी दिया गया जिसमें रोटियाँ जली हुई थीं। जली हुई रोटी देखकर बच्चों ने उसे नहीं खाया और उन रोटी को लेकर वे विद्यालय से बाहर आ गए और घर घर उसे दिखाते हुए वे सीधा प्रधान के घर पहुँच गए और उन्हें भी रोटी दिखाते हुए बोले की क्या सरकार ऐसा ही खाना हमें खाने के लिए देती है इस पर प्रधान ने बच्चों से कहा की आप लोग विद्यालय पहुँचें हम आ रहे हैं। यह सुनकर बच्चे विद्यालय वापस आ गए। कुछ देर बाद विद्यालय के मास्टर साहब ने बच्चों से पूछा की जो बच्चे प्रधान के पास गए थे वे खड़े हो जाएँ क्योंकि उन्हें मार पड़ने वाली है। जिस पर रामबाबू नामक बच्चा जो कि प्रधान के घर गया था वह धीरे से अपने घर भाग गया और अपनी माँ फूला देवी जो कि विद्यालय प्रबंधन समिति की सदस्य हैं, सारी बातें विस्तार से बताया। यह सुनने के बाद फूला देवी ने समिति के सदस्यों को बुलाया और सभी महिलाएँ विद्यालय पहुँची और प्रधान को भी बुलायी। विद्यालय पहुँचने के बाद फूला देवी ने मास्टर साहब से पूछा की एक बच्चे पर 100 ग्राम अनाज निर्धारित है तो क्या 100 ग्राम में एक ही रोटी मिलती है। जिस पर मास्टर साहब ने कहा की यह बात गलत है सभी बच्चों को दो रोटी मिली थी। मास्टर साहब की बातों को सुनने के बाद महिलाओं ने कहा की अगर विद्यालय में मध्यान्ह भोजन की यह स्थिति है तो हो सकता है अनाज भी कम आता होगा इसलिए आज से हम लोग अनाज खुद तौल कर देंगे और यह भी ध्यान रखेंगे की प्रधान कितना अनाज दे रहे हैं और आगे भी इसमें सुधार नहीं हुआ तो हम जिलाधिकारी से इसकी शिकायत करेंगे। महिलाओं की बात सुनने के बाद प्रधान महिलाओं से बोले की जिलाधिकारी से शिकायत करने की कोई जरुरत नहीं है, आप जैसा चाहेंगी वैसा ही होगा। इसके बाद प्रधान ने खाना पकाने वाली महिलाओं को बुलाया और डाँटते हुए बोला की आप लोग का जो काम है उसे सही तरीके से कीजिए।

इसके बाद महिलाओं ने कहा कि अब हम रोजाना विद्यालय का निरीक्षण करेंगे।

16 दिवसीय अभियान–

ग्राम्या संस्थान द्वारा 25 नवम्बर 2013 से 10 दिसम्बर 2013 तक 16 दिवसीय अभियान का आयोजन किया गया जिसके तहत युवाओं के साथ मिलकर निम्न गतिविधि की गई–

- मोमबत्ती जूलुस/रैली
- सामुदायिक बैठक
- स्कूलों में गोष्ठी
- पोस्टर प्रतियोगिता

कानून की जानकारी का असर–

घरेलू हिंसा के खिलाफ सेवापुरी विकास खण्ड ग्राम गोगवाँ की सरिता देवी नाम की महिला ने घरेलू हिंसा कानून के तहत अपने पति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दिया। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस सरिता देवी के घर आई और उसके पति को अपने साथ जन्सा थाने ले गई और पुलिस वालों ने कहा की जब इसको रात भर थाने में रहना पड़ेगा तो इसका दिमाग खुद ठीक हो जाएगा। इसके बाद सरिता देवी के पति को पुलिस थाने ले आई और उसे समझा बुझाकर उसे छोड़ दिया और पुलिस ने सरिता देवी से कहा की अब वह आपको नहीं मारेगा और आज एक महिना का दिन हो गया है सरिता देवी के पति ने उसको मारा पीटा नहीं है और अब वह उसके साथ अच्छे से रह रहा है। लेकिन सरिता देवी के इस कदम से गाँव वाले नाराज हैं और कहते हैं की जब से यह घरेलू हिंसा कानून के बारे में जानकारी पाई तब से पति को अपने कब्जे में कर लिया है और उसे जेल भी भिजवाया है। जिसपर सरिता देवी ने कहा की जब हम मार खाते थे तो आप लोग कुछ नहीं कहते थे फिर आज बुरा क्यों लग रहा है अगर मेरा पति कभी भी दोबारा मारेगा तो हम फिर से थाने जाएँगे और रिपोर्ट दर्ज कराएँगे।

जिला स्तरीय संवाद-

राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत वाराणसी जिले में स्मार्ट कार्ड बनने की प्रक्रिया शुरु हो गई है। इसलिए इसकी वर्तमान स्थिति जानने के लिए और सेवापुरी और बड़ागाँव ब्लॉक के रुट मैप की जानकारी लेने के लिए ग्राम्या संस्थान द्वारा दिनांक 24–10–2013 को एक जिला स्तरीय संवाद का आयोजन सरकारी अफसरों, अन्य स्वैच्छिक संस्थाएँ व मीडिया कर्मियों के साथ किया गया। संवाद में राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना क्या है इसके बारे में बताया गया और नामांकन पूर्व से संबंधित एक फिल्म भी दिखाया गया। इसके बाद संस्था द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना के नोडल अधिकारी डा0 बी0बी0 सिंह से नामांकन की वर्तमान स्थिति क्या है और रुट मैप के उपलब्धता के संबंध में पूछा गया। जिस पर डा0 बी0बी0 सिंह ने बताया की वाराणसी जिले में नामांकन की प्रक्रिया शुरु हो चुकी है और नवम्बर के अंतिम माह तक यह बड़ागाँव ब्लॉक पर पहुँचेगा और सबसे आखिरी में यह सेवापुरी ब्लॉक में पहुँचेगा। साथ ही यह भी कहा की

राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना पर जिला संवाद

पिछले बार नामांकन लक्ष्य से बहुत ही कम रहा और जिले में मात्र यह 39 प्रतिशत रहा तो इस बार आप लोग का सहयोग मिले तो इस योजना का सही ढंग से क्रियान्वयन हो सके। रुट मैप आपको स्वास्थ्य विभाग बड़ागाँव व सेवापुरी में नामांकन से पहले उपलब्ध करा दिया जाएगा।

जानकारी का पिटारा पपेट शो–

राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधा के बारे में जानकारी के साथ ही साथ

राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना पर कठपुतली शो

एक साल बाद पुनः नामांकन हेतु गाँव–गाँव में प्रचार–प्रसार का कार्य पपेट के माध्यम से किया गया।

पिटारे का असर दिखा, बड़ागाँव में आर०एस०बी०वाई० के पुन: नामांकन में –

20 नवम्बर 2013 को डा0 बी0बी0 सिंह द्वारा संस्था को स्वास्थ्य विभाग की तरफ से बड़ागाँव का रुट मैप

राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना के अन्तर्गत नामांकन

उपलब्ध कराया गया जिसके आधार पर 23 नवम्बर से बड़ागाँव में नामांकन की प्रक्रिया शुरु हुई। इस दौरान ग्राम्या संस्थान के कार्यक्षेत्र के 9 ग्राम पंचायत में 807 बी0पी0एल0 सूची धारकों में से 567 लोगों का स्मार्ट कार्ड बना।

युवाओं का भविष्य–

जैसा कि पिछले अंक में आपने पढ़ा होगा कि उत्तर प्रदेश में 6 करोड़ से ज्यादा युवा हैं जिनके लिए

युवाओं के साथ मुद्दा आधरित बैठक

स्वास्थ्य या उनसे जुड़ी सूचनाओं को अभाव है। इसी को ध्यान में रखकर ग्राम्या संस्थान विकास खण्ड सेवापुरी के युवाओं के साथ प्रतिमाह रविवार को बैठक का आयोजन करके सुचनाओं का आदान–प्रदान करने का कार्य करती है जैसे– बाल विवाह अधिनियम कानून, जेण्डर आधारित भेदभाव, यौन जनित संक्रमण, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम आदि। युवा एक साथ एक जगह बैठकर इन विषयों पर चर्चा करते है तथा उसपर कदम उठाने का निर्णय लेते है जैसे– 16 दिवसीय अभियान में पूरा सहयोग करना, रैली में, मोमबत्ती जूलुस मे, समुदायिक बैठक में, स्कूलों के गोष्ठी में तथा महिला मंच की बैठक में सहयोग करना। इन युवाओं के साथ लगातार बैठक करने पर ऐसा महसूस किया गया कि किसी को भी अपनी बात कहने के लिए मंच की जरुरत है जहां वह अपनी बात को आसानी से कह सके और उसको सुनने वाला भी चाहिए वही काम ग्राम्या संस्थान की टीम सेवापुरी के युवाओं के साथ कर रही है।

सामाजिक अंकेक्षण–

पिछले अंक में आपने पढ़ा कि ग्राम्या संस्थान टीम द्वारा विकास खण्ड सेवापुरी व विकास खण्ड बड़ागाँव के कुल 36 पंचायत के 93 आंगनबाड़ी केन्द्रों का सामाजिक

आई0सी0डी0एस0 के साथ संवाद

अंकेक्षण (सोशल आडिट) किया गया जो तथ्य निकलकर आया वह काफी चौकाने वाला था जिसको लेकर 26 सितम्बर को सेवापुरी ब्लाक पर आई0सी0डी0एस0 विभाग, पंचायत, स्वास्थ्य विभाग के साथ साझा किया गया।

ग्राम्या संस्थान

एल0–40, वी0डी0ए0 कालोनी, चाँदमारी,
लालपुर–द्वितीय, पोस्ट–सारनाथ (लमहीं),
वाराणसी–221 007 (उत्तर प्रदेश)
फोन– 0542–2290120, 2290720
Email- bindu.gra@gmail.com,
bindugramya@rediffmail.com

सहयोग- पैक्स